Original Research Paper | Education | Volume : 10 | Issue : 06 | June 2025 | e-ISSN : 2456-5040

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव 2022 में कांग्रेस के घोषणा पत्र का मतदान व्यवहार पर प्रभाव : विश्लेषणात्मक अध्ययन

चन्द्रशेखर देवांगन[1], डॉ विजयलक्ष्मी देवांगन[2], डॉ प्रमोद यादव[3]

[1]शोधार्थी (राजनीति विज्ञान) हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग (छत्तीसगढ़)
[2](शोध निर्देशक), सहायक प्राध्यापक, पं.देवी प्रसाद चौबे भाास.महाविद्यालय साजा, जिला–बेमेतरा (छ.ग.)
[3](शोध सह–निर्देशक), विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान सेठ आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

ABSTRACT

वर्ष 2022 में खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक महत्वपूर्ण चुनाव था क्योंकि इस 2024 के विधानसभा चुनाव का फाइनल माना जा रहा था। इस उप चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने खैरागढ़ को जिला बनाने जैसे ठोस वादे अपने घोषणा पत्र में शामिल किया इस शोध पत्र में कांग्रेस पार्टी की घोषणा पत्र के विभिन्न वादों के आधार पर मतदाताओं के मतदान व्यवहार में आए बदलाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से यह अध्ययन या दर्शाता है कि परिणाम को प्रभावित करने में कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र की निर्णायक भूमिका रही।

KEYWORDS: घोषणा पत्र, मतदान व्यवहार, कांग्रेस पार्टी, विधानसभा, चुनाव

प्रस्तावना

मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है, किसी न किसी प्रकार के विचार, इच्छाएं मनुष्य के हृदय में सदैव उठती रहती है, मनुष्य की यह इच्छाएं जब सामाजिक हितों को ध्यान में रखकर एकत्र हो जाती है, तो महान विचारक **रूसो** इसे **सामान्य इच्छा** कहते हैं। आधुनिक युग में मनुष्यों को अपनी इच्छा जाहिर करने के लिए व्यस्क मताधिकार प्रदान किया जाता है जिसे वह निर्वाचन के समय प्रयोग करता है, जिसे मतदान कहा जाता है और राज्य में जब भी निर्वाचन होता है मतदाता, मतदान करके अपनी इच्छाएं प्रकट करते हैं। निर्वाचन में व्यक्ति या व्यक्तियों का संगठन जिसे राजनीतिक दल कहा जाता हैं भाग लेते हैं। राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए अनेक लोक–लुभावन वादा करते हैं जिसे घोषणा पत्र के नाम से जाना जाता है। राजनीतिक दल घोषणा पत्र को जन – घोषणा पत्र, अटल विश्वास पत्र, संकल्प पत्र अलग–अलग नाम देते हैं।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ विधानसभा सीट क्रमांक 73 में विधायक देवव्रत सिंह के निधन के पश्चात रिक्त होने की दशा में अप्रैल 2022 में उपचुनाव संपन्न हुआ । इस उप चुनाव में सत्तरूढ़ कांग्रेस पार्टी ने 29 वादों का घोषणा पत्र जारी किया । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के निर्वाचित होते ही 24 घंटे के भीतर खैरागढ़ को जिला बनाने की घोषणा की जाएगी, जिले का नाम खैरागढ़–छुईखदान–गंडई रखा जाएगा। इसके साथ ही तहसील, उप–तहसील, अंग्रेजी स्कूल, पान अनुसंधान केंद्र, स्व. राजा देवव्रत सिंह जी की जीवंत मूर्ति स्थापित करने, सहित शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी वादों को घोषणा पत्र में प्रमुखता दी गई थी। घोषणा पत्र से प्रभावित होकर क्षेत्र की मतदाताओं ने कांग्रेस के प्रत्याशी श्रीमती यशोदा नीलांबर वर्मा को 20219 मतों के अंतर से विजय बनाकर अपना नया विधायक चुना । प्रस्तुत शोध पत्र में कांग्रेस के घोषणा पत्र के कौन से वादा से मतदाता सबसे ज्यादा प्रभावित होकर मतदान किया इस तथ्य को जानने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

खैरागढ़ विधानसभा छत्तीसगढ़ राज्य के 90 विधानसभा में 73वां विधानसभा क्षेत्र है। विधानसभा के समय यह क्षेत्र राजनांदगांव जिले के अंतर्गत आता था किंतु निर्वाचन पश्चात खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिला बन गया है, वर्तमान में राजनांदगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत है। रियासत काल में खैरागढ़ सर्वाधिक बड़े क्षेत्रफल वाली रियासत था। नागवंशी राजवंश के संस्थापक लक्ष्मीनिधि राय के वंशज खड़गराय द्वारा राजधानी खोलवा के स्थान पर पिपरिया, मुस्का और आमनेर नदियों के संगम पर की गई थी और खैर वृक्षों की अधिकता कारण इसका नाम खैरागढ़ रखा गया। संगीत नगरी के नाम से विख्यात खैरागढ़ एशिया के प्रथम कला एवं संगीत विश्वविद्यालय जो कि इंदिरा गांधी के नाम से स्थापित है, जिसकी नींव 1956 में तत्कालीन शासक राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह एवं रानी पद्मावती ने रखी थी।

खैरागढ़ में दो बार उपचुनाव

खैरागढ़ में अब तक दो बार उपचुनाव हो चुके हैं। 2003 में इस सीट से देवव्रत सिंह चुनाव जीते थे। बाद में जब प्रदीप गांधी की सदस्यता चली गई, तब राजनांदगांव लोकसभा के लिए उपचुनाव हुए। इसमें कांग्रेस ने देवव्रत सिंह को प्रत्याशी बनाया। देवव्रत सिंह इस चुनाव में जीते, लेकिन खैरागढ़ सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा से कोमल जंघेल जीते थे। 2022 में देवव्रत सिंह के निधन के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस से यशोदा वर्मा जीती।

छत्तीसगढ़ में अब तक हुए विधानसभा के उपचुनाव का विवरण एवं मतदान व्यवहार छत्तीसगढ़ में हुए अब तक के 17 उप चुनाव हुए हैं, केवल 2006 में कोटा उपचुनाव में रेणु जोगी और 2009 में वैशाली नगर के उपचुनाव में कांग्रेस के भजन सिंह निरंकारी ने जीत दर्ज की जो विपक्ष की जीत है और अन्य उपचुनाव में मतदाताओं ने सरकार के पक्ष में मतदान किया है। छत्तीसगढ के उपचुनाव का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत है :–

Copyright© 2025, IEASRJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

क	निर्वाचन वर्ष	विधानसभा सीट	विजयी प्रत्याशी	राजनीतिक दल	प्राप्त मत	निकटतम प्रतिद्वंदी	राजनीतिक दल	प्राप्त मत	विजेतापक्ष
1	2001	मरवाही	अजीत जोगी	कांग्रेस	71,211	अमरसिंह खुसरो	भाजपा	20453	सत्ता पक्ष
2	2004	डोंगरगांव	डा.रमन सिंह	भाजपा	42,115	गीतादेवी सिंह	कांग्रेस	32004	सत्ता पक्ष
3	2004	अकलतरा	छतराम देवांगन	भाजपा	39,859	डा.राकेश कुमार सिंह	कांग्रेस	29187	सत्ता पक्ष
4	2006	कोटा	रेणु जोगी	कांग्रेस	59465	ठाकुर भूपेंद्र सिंह	भाजपा	35995	**विपक्ष**
5	2007	मालखरौदा	निर्मल सिन्हा	भाजपा	45576	मोहन मणि	कांग्रेस	23589	सत्ता पक्ष
6	2007	खैरागढ़	कोमल जंघेल	भाजपा	57949	पद्मा देवव्रत सिंह	कांग्रेस	41962	सत्ता पक्ष
7	2008	केशकाल	स्वेक राम नेताम	भाजपा	58,362	बुधसेन मरकाम	कांग्रेस	36476	सत्ता पक्ष
8	2009	वैशालीनगर	भजन सिंह निरंकारी	कांग्रेस	47,225	जागेश्वर साहू	भाजपा	45997	**विपक्ष**
9	2010	भटगांव	रजनी त्रिपाठी	भाजपा	74,098	उमेश्वर शरण सिंहदेव	कांग्रेस	39239	सत्ता पक्ष
10	2011	बालोद	कुमारी मदन साहू	भाजपा	64,185	मोहन पटेल	कांग्रेस	54520	सत्ता पक्ष
11	2014	अंतागढ़	भोज राज नाग	भाजपा	51,530	रूपधर पुडो	सीपीआई	12086	सत्ता पक्ष
12	2019	चित्रकोट	राजमन बेंजाम	कांग्रेस	62,097	लच्छुराम कश्यप	भाजपा	44235	सत्ता पक्ष
13	2019	दंतेवाड़ा	देवती कर्मा	कांग्रेस	50,028	ओजस्वी मंडावी	भाजपा	38836	सत्ता पक्ष सत्ता पक्ष
14	2020	मरवाही	डा.केके ध्रुव	कांग्रेस	83, 372	डा.गंभीर सिंह	भाजपा	38132	सत्ता पक्ष
15	2022	खैरागढ़	यशोदा वर्मा	कांग्रेस	87,879	कोमल जंघेल	भाजपा	67703	सत्ता पक्ष
16	2022	भानुप्रतापपुर	सावित्री मंडावी	कांग्रेस	65479	ब्रह्मानंद नेताम	भाजपा	44308	सत्ता पक्ष
17	2024	रायपुर दक्षिण	सुनील सोनी	भाजपा	89220	आका ा भार्मा	कांग्रेस	43053	सत्ता पक्ष

तालिका कमांक 1

खैरागढ़ उपचुनाव 2022 का विवरण

क्रमांक	प्रत्याशी का नाम	राजनीतिक दल	कुल प्राप्त मत		
			ईवीएम मशीन मत	डाक मतपत्र मत	कुल मत
1	यशोदा नीलाम्बर वर्मा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	87829	50	87879
2	कोमल जंघेल	भारतीय जनता पार्टी लेबर पार्टी	67660	43	67703
3	चुरण (विपल्व साहू)	फारवर्ड डेमोकेटिक	2411	01	2412
4	नीतिन कुमार भंडेकर	निर्दलीय	1411	02	1413
5	नरेन्द्र सोनी	जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़	1220	02	1222
6	साधुराम ध्रुर्वे	निर्दलीय	642	00	642
7	संतोशी प्रधान	गोंडवाना गणतंत्र पार्टी	587	03	590
8	अरूणा बनफर	निर्दलीय	564	00	564
9	मोहन भारती	राष्ट्रीय जन सभा पार्टी	473	01	474
10	ढालचंद साहू	अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया	386	00	386

तालिका कमांक 2

शोध अध्ययन का उद्देश्य

1. यह अध्ययन करना कि क्या मतदाताओं ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को पढ़ा और समझा

यह अध्ययन करना कि कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र के वादों में कौन सा **घोषणा सबसे ज्यादा प्रभावी रहा।**

कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र से मतदाताओं का मतदान व्यवहार प्रभावित हुआ।

शोध परिकल्पना

यह ज्ञात करना कि कांग्रेस पार्टी द्वारा जिला बनाने की घोषणा से मतदान व्यवहार प्रभावित हुआ।

यह ज्ञात करना की घोषणा पत्र में स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता से मतदान व्यवहार प्रभावित हुआ।

यह ज्ञात करना कि विधानसभा चुनाव 2018 के कांग्रेस की घोषणा पत्र के वादो को पुरा करने से मतदाताओं में एक भरोसा कायम हुआ।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के डेटा का उपयोग किया गया है। यह अध्ययन प्राथमिक तथा द्वितीय स्रोतों पर आधारित है। प्राथमिक स्रोत खैरागढ़ विधानसभा के ग्रामीण एवं शहरी मतदाताओं मतदाताओं, 100 मतदाताओं से साक्षात्कार लिया गया। द्वितीय स्रोतों में सरकारी रिपोट, निर्वाचन आयोग, शोध पत्र –पत्रिकाओं, अखबारों, कांग्रेस के घोषणा पत्र का अध्ययन किया गया है।

क्षेत्र के उत्तरदाताओं से प्राप्त अभिमत का विवरण

क	कांग्रेस के घोशणा पत्र से संबंधित प्रशन	उत्तरदाताओं से प्राप्त मत		
		हा	नहीं	कह नहीं सकते
1	जिला बनाने की घोषणा	78	20	2
2	तहसील बनाने की घोषणा	67	29	4
3	उप तहसील बनाने की घोषणा	52	40	8
4	बैंक खोलने के प्रयास की घोषणा	40	32	28
5	अंग्रेजी स्कूल खोलने की घोषणा	68	20	12
6	महाविद्यालय खोलने की घोषणा	42	40	18
7	अस्पताल खोलने की घोषणा	60	30	10
8	बस स्टैंड बनाने की घोषणा	45	38	17
9	बालक एवं कन्या छात्रावास भवन बनाने की घोषणा	52	40	8
10	खैरागढ़ महोत्सव पुन प्रारंभ करने की घोषणा	68	30	2
11	पान अनुसंधान केंद्र की स्थापना	57	38	5
12	बेहतर पेयजल की घोषणा	53	30	17
13	फूड प्रोसेसिंग की व्यवस्था की घोषणा	51	40	9
14	पुल निर्माण करने की घोषणा	61	27	14
15	विद्युत सब स्टेशन निर्माण की घोषणा	65	28	7
16	कांग्रेस के घोषणा पत्र को समझ पाए	60	32	8
17	कांग्रेस के घोषणा पत्र से मतदान व्यवहार प्रभावित हुआ	65	20	15

तालिका कमांक 3

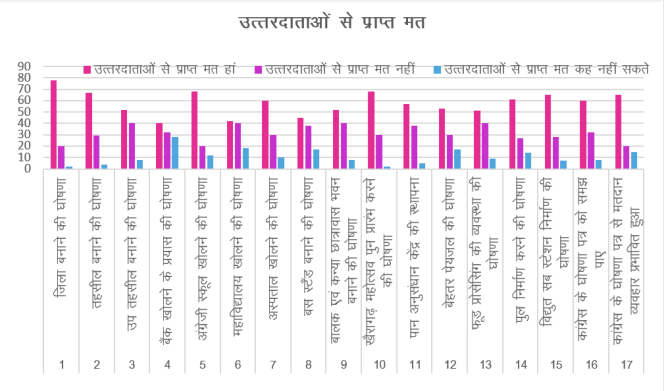

तालिका कमांक 4 (ग्राफ)

fo'ys"k.k

प्रस्तुत तालिका में छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव 2022 के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र की विभिन्न बिंदुओं पर क्षेत्र के 100 मतदाताओं से एकत्रित प्रतिक्रियाओं का विवेचन किया गया है। यह विश्लेषण मुख्यतः यह जानने हेतु किया गया है कि मतदाताओं में कांग्रेस पार्टी के घोषणाओं की जानकारी, उनकी स्वीकार्यता तथा इन घोषणाओं में से कौन सी घोशणा से मतदान व्यवहार ज्यादा प्रभावित हुआ।

घोषणाओं की जानकारी एवं समझ

प्राप्त आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि 60 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को समझने की बात स्वीकार की, जबकि 32 प्रतिशत ने इसे समझने में असमर्थता व्यक्त की और शेष 8 प्रतिशत मतदाता निर्णय नहीं कर सके। यह तथ्य इस ओर संकेत करता है कि यद्यपि बहुसंख्यक मतदाता घोषणा पत्र की भाषा और विषय वस्तु से परिचित थे, फिर भी एक बड़ा वर्ग ऐसा रहा जो या तो इसे जटिल मानता है अथवा उनके लिए इसका प्रचार–प्रसार अपर्याप्त रहा।

घोषणाओं में प्राथमिकता

घोषणापत्र की जिन वादों को सर्वाधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, उनमें "नया जिला बनाए जाने की घोषणा" (78), "अंग्रेजी माध्यम विद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा" (68) ''खैरागढ़ महोत्सव पुन प्रारंभ करने की घोषणा'' (68), ''तहसील बनाने की घोषणा''प्रमुख रही। इन घोषणाओं की लोकप्रियता इस बात की पुष्टि करती है कि मतदाता उन घोषणाओं को प्राथमिकता देते हैं जो उनकी दैनिक आवश्यकताओं, तथा स्थानीय सुविधा सरलता से मिले जिससे लोगो के प्रशासन संबंधी कार्य करने में आसान हो।

कुछ घोषणाएं अपेक्षाकृत कम प्रभावशाली सिद्ध हुईं। "बैंक शाखा खोले जाने की घोषणा" (40:), "महाविद्यालय स्थापना" (42:), तथा "बस स्टैंड निर्माण" (45:) जैसे बिंदुओं को अपेक्षाकृत कम समर्थन प्राप्त हुआ। यह परिदृश्य दर्शाता है कि इन योजनाओं की या तो स्थानीय स्तर पर तत्कालिक आवश्यकता नहीं थी क्योंकि इन क्षेत्रो में ये सुविधाएं पहले से उपलब्ध है।

घोषणा पत्र का मतदान व्यवहार पर प्रभाव

सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिंदु यह रहा कि 65 प्रतिशत मतदाताओं ने स्वीकार किया कि कांग्रेस के घोषणा पत्र ने उनके मतदान व्यवहार को प्रभावित किया, क्योंकि मतदाताओं ने स्वीकार किया कि कांग्रेस पार्टी ने घोशणा पत्र में जो वादा किया उन सुविधाओं की क्षेत्र में महती आव यकता थी। 20 प्रतिशत ने इस प्रभाव को नकारा क्योंकि खैरागढ़ सीट कांग्रेस की परंपरंगत सीट रही है तथा छत्तीसगढ़ में उपचुनाव का इतिहास सत्ताधारी दल के पक्ष में रहा है। 15 प्रतिशत निर्णय नहीं कर सके क्योंकि ये ज्यादातर केवल मतदान के समय आते है और इनकी राजनीति में रूचि बहुत कम है। इससे यह स्पश्ट है कि कांग्रेस पार्टी का घोषणा पत्र मतदाता निर्णय प्रक्रिया का एक प्रभावी घटक रहा है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में समाहित अधिकांश घोषणाओं ने मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला, विशेषकर वे घोषणाएं जो स्थानीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी थीं। हालांकि कुछ घोषणाओं की जानकारी एवं प्रभाव की सीमा सीमित रही। फिर भी कुल मिलाकर निश्कर्श के रूप में यह कहा जा सकता है कि खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की घोशणा पत्र ने क्षेत्र की मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित किया। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र में मतदाताओं से वादा किया था उसमें से कर्ज माफी सरकार बनने के तुरंत प चात् और 2500/ क्विंटल में धान खरीदी का वादा को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के द्वारा पूरा किया गया जिसके कारण मतदाताओं में कांग्रेस पार्टी के प्रति वि वास कायम स्थापित हुआ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. जैन, पुखराज एवं फाड़िया, बी0एल0 (2017) ; भारतीय राज व्यवस्था; साहित्य भवन पब्लिके ान, आगरा, पृश्ठ–19
2. फाड़िया, बी0एल0 (2021), पा चात्य राजनीतिक चिंतन ; साहित्य भवन पब्लिके ान, आगरा, पृश्ठ–275
3. राय, ओमप्रका (2016), भारत की चुनावी राजनीति के बदलते आयाम; वि वविद्यालय प्रका ान, वाराणसी, पृश्ठ–40
4. मुहम्मद, इस्लाम. (2020) अनुसंधान में विश्लेषण की एक इकाई के रूप में चुनाव घोषणापत्र।
5. फाड़िया, बी0एल0 (1960), भोध पद्धतियां ; साहित्य भवन पब्लिके ान, आगरा, पृश्ठ–59
6. कांग्रेस पार्टी का घोशणा पत्र–2022 भारतीय राश्ट्रीय कॉंग्रेस कार्यालय, रायपुर
7. जिला निर्वाचन कार्यालय राजनांदगांव द्वारा जारी चुनाव परिणाम सम्बन्धी आंकड़े, 2012.
8. दैनिक भास्कर (1 अप्रैल, 2022), राजनांदगांव संस्करण, पृश्ठ–1
9. दैनिक नवभारत (1 अप्रैल, 2022), राजनांदगांव संस्करण, पृश्ठ–1
10. वर्मा एस.एल. ''राजनीति विज्ञान में अनुसंधान'' राजस्थान हिन्दी ग्रंथ एकादमी जयपुर, 2005

11. जैन बी.एम. ''रिसर्च मैथडोलॉजी'' रिसर्च पब्लिके ान जयपुर, 2010
12. वैभय, डॉ0 कल्पना (2018), "भारतीय लोकतन्त्र में मतदान व्यवहार", नव भारत प्रकाभान, नई दिल्ली, पृ ठ–29.
13. राम पपली (2013), "मतदान व्यवहार, जाति एवं राजनीति चेतना", आविश्कार पब्लिभार्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर, 2013, पृ ठ–88.
14. कश्यप, सुभाश (2005), राजनीति कोश, नेभानल बुक ट्रस्ट, प्रकाभान नई दिल्ली, पृ ठ–14
15. www.census2011.co.in